आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)
बुधवार 16.04.2025
समय 1830

**मुख्य समाचार :–**

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा – आने वाले कुछ वर्षों में ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना पूरी होने के बाद कर्णप्रयाग तक पहुंचेगी ट्रेन।
- उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग हुई आर–पार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– सुरंग का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों की आवाजाही होगी सुगम, समय की भी होगी बचत।
- पिथौरागढ़ जिले में चीन सीमा पर स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा आगामी एक मई से शुरू होगी।
- खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

## रेल मंत्री निरीक्षण

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत पौड़ी गढ़वाल के जनासू के बीच बन रही टी–8 और टी–8–एम सुरंग आज आरपार हो गई है। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जनासू में रेल परियोजना की सुरंग के ब्रेकथ्रू कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री वैष्णव ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में इस परियोजना को पूरा करके कर्णप्रयाग तक रेल की आवाज सुनाई देगी। उन्होंने कहा कि यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन भारत में पहली रेल चली थी।

इससे पहले श्री वैष्णव ने ऋषिकेश के योगनगरी स्टेशन पहुंचकर कर्णप्रयाग रेल परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रॉजेक्ट की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री के साथ हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और गढ़वाल के सांसद अनिल बलूनी भी उपस्थित रहे।

## सिलक्यारा सुरंग ब्रेक थ्रू

उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग भी आज आरपार हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सुरंग के ब्रेकथ्रू के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सुरंग का निरीक्षण कर विशेषज्ञों और इंजीनियरों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में शुरू की गई चारधाम परियोजना के लिए इस सुरंग का ब्रेकथ्रू एक अहम पड़ाव था, जिसे आज श्रमिकों और इंजीनियरों के अथक परिश्रम से पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबी इस सुरंग का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद

गंगोत्री और यमुनोत्री के बीच की दूरी 26 किलोमीटर कम हो जाएगी। लोग आसानी से सुरंग के माध्यम से आवाजाही कर सकेंगे और उनके समय की बचत भी होगी।

श्री धामी, सिलक्यारा सुरंग के समीप बाबा बौखनाग के नवनिर्मित मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

## वाहन हरी झंडी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज 'मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय' में वन एवं वन्य जीव सुरक्षा के लिए वन विभाग की ओर से कैंपा योजना से खरीदे गए 23 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वाहनों से संवेदनशील वन क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाकर वन अपराधों पर नियंत्रण को अधिक मजबूत करने में मदद मिलेगी। वनाग्नि प्रबंधन और मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण और तेजी से रेस्क्यू कार्य के लिए भी इन वाहनों का उपयोग किया जाएगा। वृक्षारोपण अभियानों की निगरानी के साथ ही भू–स्खलन, बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में वन व निकटवर्ती क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के त्वरित और प्रभावी संचालन में भी ये वाहन काफी उपयोगी सिद्ध होंगे। इस मौके पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि पिछले तीन साल में लगातार कैंपा योजना के बजट में वृद्धि हुई है। वर्ष 2025–26 में कैंपा के तहत प्रस्तावित 439 करोड़ से अधिक लागत की वार्षिक योजना स्वीकृति के लिए केन्द्र सरकार को भेजी गई है।

## आदि कैलाश यात्रा

पिथौरागढ़ जिले में चीन सीमा पर स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा आगामी एक मई से शुरू होगी। जिला प्रशासन ने यात्रा के सभी इंतजाम पूरे कर लिए हैं। जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चंद्र आर्य ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी एक मई से यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट तहसील मुख्यालय, धारचूला के साथ ही जिला मुख्यालय से जारी किए जाएंगे।

वहीं कुमाऊँ मंडल विकास निगम ने भी यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। निगम के प्रबंधक दिनेश गुरुरानी ने बताया कि इस वर्ष भी यात्रियों को स्वच्छता अभियान और पौधारोपण अभियान से जोड़ते हुए पूरे यात्रा मार्ग सहित उच्च हिमालई क्षेत्र में पौधारोपण अभियान संचालित किया जाएगा।

## खेल मंत्री निरीक्षण

खेल मंत्री रेखा आर्या ने आज हल्द्वानी के गौलापार स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। बीते दिनों आपदा के चलते स्टेडियम का जो हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था, उसकी मरम्मत का काम चल रहा है। इस दौरान खेल मंत्री ने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गौलापार में बन रहे एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम के निरीक्षण के साथ ही फुटबॉल ग्राउंड, ताइक्वांडो और मल्टीपरपज हॉल और स्वीमिंग पूल का भी निरीक्षण किया। श्रीमती आर्या ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में नेशनल चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं के लिए गौलापार स्टेडियम को तैयार स्थिति में रखें। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेश की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के शिलान्यास की तैयारी पूरी करने का लक्ष्य दिया है। वहीं, हल्द्वानी के गोलापार में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क सड़क योजना को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में नैनीताल जिले में विभिन्न ग्रामीण संपर्क मार्ग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। इस योजना के तहत जो सड़क निर्माण कार्य चल रहे हैं, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने उन्हें तेजी से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

## राज्यपाल

राजभवन में आज एक संस्था की ओर से ''10वां उत्तराखण्ड सुजोक महोत्सव'' आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सुजोक के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे डॉक्टर्स को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि यह महोत्सव वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति 'सुजोक' के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार की दिशा में सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि सुजोक जैसी सरल उपचार प्रणाली से लोगों को कम लागत में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है।

## धूप अगरबत्ती प्रशिक्षण

देहरादून जिला प्रशासन की ओर से स्वयं सहायता समूह की आजीविका संवर्धन के लिए देहरादून में महिलाओं को धूप–अगरबत्ती बनाने का पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को धूप–अगरबत्ती, पूजा सामग्री की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन के गुण सिखाए जा रहे हैं। महिलाओं को मंदिर के फूलों का प्रयोग करते हुए धूपबत्ती, बांस रहित अगरबत्ती और हवन सामग्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने चारधाम यात्रा के दौरान महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को आउटलेट के माध्यम से विपणन की व्यवस्था भी की है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने कहा कि जिले के कुछ विकासखण्डों में समूह की महिलाओं द्वारा काफी समय से धूप–अगरबत्ती बनाने का काम किया जा रहा है, लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में महिलाएं इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। उन्होंने कहा कि इस विशेष प्रशिक्षण के बाद महिलाएं आगामी चारधाम यात्रा के दौरान धूपबत्ती, अगरबत्ती, हवन सामग्री आदि की बिक्री करते हुए अपनी आजीविका में वृद्धि कर सकती हैं।